

शृङ्गारसुधातरङ्ग ।

(प्रथम भाग)

जिसे श्रीकृष्णचंद्रआनंदकन्दब्रजचन्द्रकृपापा-
त्राधिकारी पं० श्रीचौबे ठाकुर राधाचरनजू-
रईस जागीर पहरा जिला बांदा एजेंसी नया-
गांव मुल्फ बुन्देलखण्ड ने औरसिकसिरोमणि
वृजराज के गुणानुवाद का वर्णन रसिकजन
और संगीत विज्ञा के अधिकारियों के वि-
शोदार्थ बसत होखी भूला बधाई रेखता ठु-
मरी प्रभावती आदि अनेक मनोहर कन्दों
में रच कर प्रकाश किया ।

और जिसे

शुभस्थान चौबेपुर निवासी द्विज पंडित तुलसीदासजी
तस्यात्मज वनमालीलाल आफिसर पुलिस रियासत
पहरा ने आदि से अन्त पर्यन्त अति उत्साह पूर्वक
आज्ञानुसार लिख कर समाप्त किया ।

स्वामिरजायसु सीस धरि ललित कन्द रसखान ।
वनमाली निज कर लिख्यौ सुधातरङ्गसमान ॥

काशी

भारतजीवन प्रेस ।

संवत् १९५१ ।